11 साल बेमिसाल

निष्पक्ष, निर्भीक जनहित में आवाज बुलंद करने वाला, भय, भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए प्रयासरत...राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र मुंबई हलचल के 11 वर्ष पूरा होने पर सभी पाठकों व विज्ञापनदाताओं को बधाई

12 YEAR ANNIVERSARY

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

दैनिक मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

वर्ष: 12 - अंक : 01, मुंबई, गुरुवार, 20 जनवरी, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

घाटकोपर में 17 जुआरी गिरफ्तार

1 लाख 67 हजार रुपए बरामद

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा यूनिट-7 ने घाटकोपर के न्यू आनंद सोसाइटी के सामने रेड कर अवैध रूप से जुए का अड्डा चलाने वाले 52 वर्षीय मैनेजर संजय चमन अरोरा सहित 7 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें 12 जुआरी 4 जॉकी भी शामिल है। **(समाचार पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई में दलित मेडिकल स्टूडेंट संग रैगिंग

जमीन पर सोने को किया मजबूर, बर्तन धुलवाए गए, 17 स्टूडेंट और 2 वार्डन के खिलाफ एफआईआर

मुंबई। मुंबई के सबसे बड़े सरकारी केईएम अस्पताल के जीएस मेडिकल कॉलेज में 24 साल के एक दलित छात्र संग रैगिंग और जातीय टिप्पणी का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए छात्र की शिकायत पर 17 छात्र और दो हॉस्टल वॉर्डन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। 14 जनवरी को केस दर्ज होने के बाद भी किसी की गिरफ्तारी नहीं होने से दलित संगठन नाराज हैं। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में सोमवार से खुल सकते हैं स्कूल

स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड ने दी जानकारी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों के लिए यह बड़ी खबर है। राज्य में सोमवार से स्कूल खुल सकते हैं। शिक्षा विभाग ने इससे जुड़े प्रस्ताव को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के पास भेज दिया है। इस बारे में स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड ने जानकारी दी है। वर्षा गायकवाड ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को यह प्रस्ताव भेजा गया है कि राज्य में जहां-जहां कोरोना संक्रमण कम है, वहां स्थानीय प्रशासन के हाथ स्कूल शुरू करने का अधिकार दिया जाए और स्कूल शुरू किए जाएं।

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए राज्य सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों को 15 फरवरी तक बंद रखने का फैसला किया है। लेकिन इस फैसले को लेकर कई स्कूल प्रशासन और अभिभावकों ने नाराजगी जताई है।

बुलढाणा: जुआ अड्डे पर अपराध शाखा की टीम ने मारा छापा

12 आरोपी गिरफ्तार

एक लाख 9,070 रुपये की संपत्ति जब्त

बुलढाणा। स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने जूनागांव परिसर में जुआ अड्डे पर छापामार कर 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक लाख 9,070 रुपये की संपत्ति जब्त की गई। यह कार्रवाई 18 जनवरी को की गई थी। **(समाचार पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

मान की उम्मीदवारी

भारत में विविध रूपी राजनीति का सदैव स्वागत होना चाहिए। आम आदमी पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनाव में भगवंत मान को मुख्यमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाकर बहुतों को चर्चा का विषय दे दिया है। राजनीति का पहला लक्ष्य ही यही है कि उसके द्वारा स्थापित नेता या नेतागीरी की अधिक से अधिक चर्चा हो। इसमें कोई शक नहीं कि भगवंत मान पंजाब में आप के लिए एक ऐसा चेहरा हैं, जिनकी पहचान देश-दुनिया में आम आदमी पार्टी से भी पुरानी है। तो मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की पहले घोषणा करके आम आदमी पार्टी ने एक तरह से बाजी मार ली है। पंजाब में सत्ताधारी कांग्रेस में हम देख ही रहे हैं कि मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान जारी है और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा का खतरा पार्टी उठाने की स्थिति में अभी नहीं दिखती। ऐसे में, भगवंत मान को आगे करके आम आदमी पार्टी ने राज्य के मतदाताओं को सोचने का एक मौका दे दिया है। भाजपा ने भी अभी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम स्पष्ट नहीं किया है। जाहिर है, आम आदमी पार्टी अब कह सकती है कि उसके पास चेहरा है और उस चेहरे को उसने आगे कर दिया है। ऐसा नहीं है कि भगवंत मान का चयन आसान रहा हो। उनके नाम का विरोध भी हो रहा था। इसके लिए बाकायदा सर्वेक्षण कराया गया है, जिसमें 93 प्रतिशत लोगों ने भगवंत मान को आप का मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाने की बात कही है। उम्मीदवार के चयन के लिए सर्वेक्षण की सराहना करनी चाहिए। हालांकि, आप के विरोधी यह कहेंगे कि आप ने सर्वेक्षण का दिखावा किया है और उसके पास भगवंत मान से सशक्त कोई नाम पंजाब में नहीं था, लेकिन तब भी पार्टी द्वारा ऐसे किसी सर्वेक्षण की घोषणा मायने रखती है। विवाद की स्थिति में पार्टियों को ऐसे सर्वेक्षण का सहारा लेने में हिचकना नहीं चाहिए। चयन में हाईकमान की मर्जी से बहुत श्रेष्ठ है सार्वजनिक सर्वेक्षण। वास्तव में, अगर पार्टियों के अंदर संगठन के चुनाव होते, तो हाईकमान की मर्जी या ऐसे सर्वेक्षणों की नौबत ही नहीं आती, लेकिन हमारे यहां राजनीति में जो सामंती व्यवस्था है, उसमें संगठन चुनाव के पक्षधर कितने होंगे, कहना मुश्किल है। यह अच्छी बात है कि मान राजनीति में नए नहीं हैं। साल 2011 से ही वह राजनीति में कमोबेश सक्रिय हैं। साल 2014 और 2019 में संगरूर से लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। उनके राजनीतिक वजन को नकारा नहीं जा सकता। 48 साल के भगवंत मान ऐसी हस्ती हैं, जिनकी छवि विदूषक की है, लेकिन उनमें पर्याप्त गंभीरता भी रही है और उनके क्षेत्र में लोग उन्हें बहुत पसंद करते हैं। राजनीति में आने के बाद वह कॉमेडी से दूर हैं। वैसे तो वह साल 1992 से ही कॉमेडी कर रहे हैं, पर उन्हें देशव्यापी ख्याति ग्रेट इंडियन लॉफ्टर चैलेंज से 2008 में मिली थी। पंजाबी कॉमेडियन से वह भारतीय कॉमेडियन में तब्दील हुए थे। यह देश किसी कॉमेडियन को ऊंचे पदों पर देखने का आदी नहीं है। तमिलनाडु को अगर छोड़ दें, तो बाकी भारत में बड़े अभिनेताओं को भी लोग नेता के रूप में आसानी से स्वीकार नहीं करते हैं। ऐसे में, मुख्यमंत्री पद के लिए भगवंत मान की उम्मीदवारी एक कामयाबी है। चुनावी मैदान में उन्हें पूरे दमखम और मजबूत चरित्र के साथ सामने आना होगा। राजनीति कतई कॉमेडी नहीं है, यह बात पंजाब में दूसरी पार्टियां अब बेहतर समझ रही होंगी।

यूपी चुनाव : मुसलमानों को ओवेसी से बचना होगा

ओवेसी खाली भाजपा विरोधी दलों के वोट ही नहीं काट रहे बल्कि अपने उग्र और भड़काने वाले बयानों से भाजपा के वोट भी बड़ा रहे हैं। देश दो तरह की धार्मिक राजनीति से जूझ रहा है। एक भाजपा और संघ की बहुसंख्यक धार्मिक राजनीति तो दूसरी तरफ यह नई शुरू हुई ओवेसी की अल्पसंख्यक धार्मिक राजनीति। दोनों एक दूसरे की मदद कर रही हैं। और नुकसान हिन्दू मुसलमान दोनों का हो रहा है। जनता जिसमें हिन्दू मुसलमान दोनों हैं उनके असली सवाल गायब हैं।

मुसलमानों का जितना नुकसान असदउद्दीन ओवेसी कर रहे हैं उतना शायद ही किसी ने किया हो। यूपी के चुनाव में मुसलमान खुद को कोई भी पक्ष बनाए जाने से बहुत समझदारी से बच रहे हैं। भाजपा 80 बनाम 20, लूंगी, टोपी, अब्बाजान हर हरबा इस्तेमाल करके चुनाव मुसलमानों पर फोकस करना चाह रही है। मगर मुसलमान इस बहस से खुद को बहुत ही संयम से बचाए हुए हैं। किसी भी पार्टी के पक्ष विपक्ष में उनकी तरफ से ऐसी कोई बात नहीं कही जा रही जिससे भाजपा को फायदा मिले। भाजपा जानती है कि यह 20 प्रतिशत वोट बहुत महत्वपूर्ण है। अभी तक वह इस बीस के नाम पर 80 का ध्रुवीकरण कर रही थी। जिसमें से उसको बड़ा हिस्सा मिलने लगा था। मगर इस बार पिछड़ों के अचानक विद्रोह करने और राजनीतिक माहौल बन जाने के कारण भाजपा के लिए सिर्फ मुस्लिम विरोध के आधार पर जीतना मुश्किल है। पिछले विधानसभा चुनाव में खुद प्रधानमंत्री मोदी ने ध्रुवीकरण के लिए श्मशान, कब्रिस्तान जैसा मुद्दा उठा दिया था। किसे पता था कि कुछ समय बाद कोरोना की दूसरी लहर में पूरा यूपी ही श्मशान कब्रिस्तान बन जाएगा। और श्मशान में जगह नहीं मिलेगी। शव गंगा में बहानेपड़ेंगे। नदी किनारे रेत में दबाना पड़ेगे।

यूपी ने देख लिया कि धर्म की राजनीति किसी समस्या का हल नहीं है। यहां तक कि श्मशान में जगह मिलने की भी नहीं। मगर शायद ही भाजपा इससे कोई सबक सीखेगी। वह इस यूपी चुनाव में भी अपना यही साम्प्रदायिक दांव खेलेगी। जिसमें उसे सबसे ज्यादा मदद ओवेसी की तरफ से मिलेगी। ओवेसी ने 9 उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। जाहिर है कि सारे उम्मीदवार मुसलमान हैं और मुस्लिम बहुल सीटों से उन्हें टिकट दिया गया है। भाजपा भी अब केवल हिन्दुओं को ही टिकट देती है। पहले दो तीन सीटों पर प्रतीकात्मक रूप से मुसलमानों को देती थी। मगर अब वह भी बंद कर दिया है। इस तरह ओवेसी खुद को भाजपा के सामने खड़ा करके यह बता रहे हैं कि भाजपा का मुकाबला वही कर सकते हैं। दूसरी तरफ इसी तरह भाजपा ओवेसी को निशाना बनाकर यह बता रही है कि हिन्दुओं का सबसे बड़ा विरोधी एक मुसलमान (ओवेसी) है। दोनों तरफ भावनाएं भड़काकर वोटों का पोलोराइजेशन करने कीकोशिश हो रही है। इसमें भाजपा का खेल तो साफ है। उसे लगता है कि हिन्दुओं की राजनीति करके ही उसे वोट मिल सकते हैं। लेकिन ओवेसी ऐसा क्यों कर रहे हैं? वह 403 में से उन करीब सौ सीटों पर चुनाव लड़ेंगे जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 20 प्रतिशत या इससे ज्यादा है। इन 20 प्रतिशत या जहां इससे ज्यादा भी है के वोटों के सहारे वे एक भी सीट नहीं जीत सकते हैं। मगर भाजपा के खिलाफ लड़ रही सपा और कांग्रेस को इन सभी मुस्लिम बहुल सीटों पर भारी नुकसान

पहुंचा सकते हैं। वे जितने वोट काटेंगे उतना ही भाजपा को फायदा होगा।

ओवेसी खाली भाजपा विरोधी दलों के वोट ही नहीं काट रहे बल्कि अपने उग्र और भड़काने वाले बयानों से भाजपा के वोट भी बड़ा रहे हैं। जब वे कहते हैं कि योगी को दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। तो सबसे ज्यादा खुश कौन होता है? खुद योगी। वे बड़े अदब से कहते हैं कि ओवेसी साहब बड़े नेता हैं। हम उनकी यह चुनौती स्वीकार करते हैं। ओवेसी के योगी के खिलाफ बोलने से क्या योगी का एक भी वोट कम होता है? नहीं! बल्कि प्रतिक्रिया मेंउल्टे उनके वोट बढ़ते हैं। ओवेसी का असर यूपी में नौजवानों पर ज्यादा है। यह सबसे खतरनाक बात है। नौजवान या तो जिन्हें राजनीति को गंभीरता से समझना चाहिए या अपनी शिक्षा, भविष्य के बारे में विचार करना चाहिए। वे ओवेसी के भावनात्मक बयानों में बह रहे हैं। ओवेसी सपा, कांग्रेस सबके खिलाफ बोलते हैं। नौजवानों को ऐसे बागी तेवर बहुत पसंद आते हैं। लेकिन नौजवानों की समस्या क्या हैं? उनका भविष्य कैसे बनेगा? विकास की दौड़ में वे पीछे कैसे रह गए? आधुनिक शिक्षा उनके लिए कितनी जरूरी है? मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा और तरक्की में क्या बाधाएं हैं? इनमें से किसी का जवाब ओवेसी के पास नहीं है। बड़ा सीधा सवाल है कि क्या अकेले मुसलमान किसी पार्टी को जीता सकते हैं? ओवेसी की पार्टी को चंद मुसलमानों के अलावा कोई और वोट देगा? अगर नहीं तो मुसलमानों के वे वोट बेकार गए। साथ ही दूसरी तरफ वे सपा या कांग्रेस के किसी जीतते हुए उम्मीदवार को कम भी पड़ेंगे। जिसकी वजह से वे हारेंगे और भाजपा के उम्मीदवार जीतेंगे। ओवेसी भाजपा और कांग्रेस या सपा या बिहार में आरजेडी को एक ही तराजू में तौलते हैं। पढ़े लिखे हैं। बैरिस्टर हैं। उच्च शिक्षित। क्या उन्हें नहीं मालूम कि इन साढ़े सात सालों में मुसलमानों के खिलाफ जैसा माहौल बनाया गया है वैसा पहले कभी नहीं। क्या कभी किसी प्रधानमंत्री ने श्मशान और कब्रिस्तान की तुलना की? रमजान, ईद, होली दिवाली की तुलना की? कपड़ों से पहचानने की बात की? हरिद्वार की धर्म संसद में नरसंहार की बातें की गई। महिलाओं के सुल्ली डील और बुल्ली बाई एप बनाए गए। मुसलमानों को पूरी तरह अलग थलग करने और दिखाने की कोशिश की गई। तो क्या इसका इलाज अलग थलग होकर वोट डालना है? या सबके साथ मिलकर एक पहले की तरह भाइचारे और मेलजोल का माहौल बनाना है। मुसलमानों को निशाने पर लेने का नुकसान मुसलमानों को तो हो ही रहा है मगर सबसे ज्यादा देश को हो रहा है। आज भाजपा और संघ परिवार इसे नहीं समझ रहे हैं। मगर एक दिन उनकी समझ में आएगा। जब सबका नुकसान हो चुका होगा। हिन्दू ही उनसे पूछेंगे कि हमें क्या मिला? यूपी में पांच साल तक सबसे तेज गति से हिन्दू मुसलमान किया गया। लेकिन नौकरी तो किसी हिन्दू को भी नहीं मिली। महंगाई का असर उस पर भी उतना ही हुआ। खाद की लाइन में खड़े खड़े हिन्दू किसान ही मरे। उन्नाव, हाथरस में बलात्कार और फिर जुल्मों का शिकार हिन्दू लड़कियां और उनके हिन्दू परिवार ही हुए। क्या यह सब बातें हिन्दुओं से छुपी हुई हैं? मगर फिलहाल एक नशा है। धर्म का नशा। जिसके सामने कुछ नहीं दिखता है। मगर जब यह नशा टूटता है तो तारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा होता है। पड़ोस के पाकिस्तान को देख लेना चाहिए। आज वहां सुप्रीम कोर्ट से लेकर सरकार इस धार्मिक सत्ता को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं। मगर उसकी जड़ें इतनी फैल चुकी हैं कि उसने आर्थिक रुप से पाकिस्तान को तबाह कर दिया है। आर्थिक स्थिति हमारी भी गिरती जा रही है। कई आर्थिक पैमानों पर बांग्लादेश हमसे आगे निकल गया है। कारण स्पष्ट है। जब हम धार्मिक भावनाएं भड़काते हैं तो किसी और चीज के बारे में सोचते ही नहीं हैं। धर्म हर समस्या का इलाज दिखने लगता है। जनता रोजी रोटी की बात करती है तो उसे देशद्रोही कह दिया जाता है। अभी किसान आंदोलन में देखा कि किसान को किस तरह खालिस्तानी, देशद्रोही, मवाली, नकली किसान जाने क्या क्या कहा गया। देश दो तरह की धार्मिक राजनीति से जूझ रहा है। एक भाजपा और संघ की बहुसंख्यक धार्मिक राजनीति तो दूसरी तरफ यह नई शुरू हुई ओवेसी की अल्पसंख्यक धार्मिक राजनीति। दोनों एक दूसरे की मदद कर रही हैं। और नुकसान हिन्दू मुसलमान दोनों का हो रहा है। जनता जिसमें हिन्दू मुसलमान दोनों हैं उनके असली सवाल गायब हैं। धर्म की राजनीति यही चाहती है। नकली मुद्दे बने रहें। जनता उनमें उलझी रहे। और भावनात्मक आधार पर उन्हें वोट मिलते रहें। मगर यह राजनीति न देश के लिए अच्छी है और न ही उन हिन्दू मुसलमानों के लिए जिन के नाम पर यह की जा रही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

गहनों की लालच में की गई महिला की गला दबाकर हत्या

मृतक विजया बाविस्कर

संवाददाता/समद खान

डोंबिवली। 24 घंटे के भीतर ही हत्या के आरोपी को तिलक नगर पुलिस ने धर दबोचा इस मामले में तिलक नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक द्वारा मिली जानकारी के अनुसार विजया बाविस्कर वर्ष 58 रहवासी आनंद शीला अपार्टमेंट की बताई जा रही है यह महिला की लाश उसी के घर से 17 जनवरी मंगलवार को बरामद की गई जब इस हत्या की सूचना पुलिस को मिली सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंच कर लाश का पंचनामा कर अपने ताबे में लेकर सरकारी दवाखाने में पोस्टमार्टम हेतु के लिए भेज दिया गया और पुलिस इस मामले की जांच गंभीरता से करते हुए अपनी पांच टीमों को तैयार किया और इस हत्या की आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी परिजनों द्वारा पूछताछ के बाद यह पता चला मृतिका की गले से सोने के गहने गायब है यह सुराग पुलिस के हाथ लगते ही और तमाम कड़ियां जोड़ने के बाद पुलिस ने सीमा खोपड़े वर्ष 40 को गिरफ्तार कर लिया इस आरोपी महिला की बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया यह महिला पोली भाजी केंद्र चलाया करती थी और उसी के चलते मृतका की जान पहचान हो गई थी और उसका आना-जाना घर पर लगा रहता था रविवार 16 जनवरी को यह महिला मृतिका की घर पर रात में गई थी और मृतका के गले में सोने के जेवरात देखकर उसके मन में लालच आ गई और उसने गला दबाकर मृतका की हत्या कर दी और तमाम जेवरात लेकर घर से फरार हो गई इस मामले में पुलिस ने इस महिला के विरुद्ध में हत्या का मामला दर्ज कर लिया और आगे की छानबीन तिलक नगर पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है।

जानलेवा हो गई क्रिकेट सट्टेबाजी

नागपुर में शख्स ने सट्टे में 25 लाख गंवाए, हताशा में पत्नी–बेटे–बेटी को चाकुओं से गोदा फिर खुद फांसी लगा ली

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक दिल दहलाने वाली वारदात हुई है। यहां कर्ज में डूबे एक सट्टेबाज ने पहले चाकू से अपनी पत्नी और दो बच्चों को मारा और फिर फांसी लगा सुसाइड कर लिया। घटना मंगलवार शाम करीब 6 बजे जरीपटक के दयानंद पार्क इलाके में हुई है। मदन अग्रवाल (40) नाम के एक शख्स ने पहले अपनी पत्नी किरण अग्रवाल (33), बेटे वृषभ (10) और बेटी टिया (5) को मौत के घाट उतारा और फिर फांसी पर लटक गया। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने बेटे और बेटी के पेट में कई बार चाकू से प्रहार किया था। इसके बाद उसने पत्नी का गला काटा और उसे मौत के घाट उतारा। तीनों की मौत की पुष्टि होने के बाद ही आरोपी ने फांसी लगाई है। घटना स्थल पर पहुंचे नागपुर के कमिश्नर अमितेश कुमार

ने बताया कि मदन अग्रवाल शांतिनगर में रहते थे। दयानंद पार्क इलाके में उनकी चीनी की दुकान थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पहले दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया और जब वह नहीं खुला तो उसे तोड़ा गया। टीम जैसे ही अंदर दाखिल हुई बिस्तर पर पत्नी और उसके दोनों बच्चे खून से लथपथ पड़े थे और पंखे से मदन का शव लटका हुआ था।

पास की दुकान से खरीदा था चाकू

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मदन ने परिवार के खिलाफ जाकर लव मैरिज की थी, इसी वजह से उनका परिवार से ज्यादा संपर्क नहीं था। मदन को क्रिकेट सट्टे की लत थी। जुए में पैसे गंवाने के बाद वह तीन दिनों से तनाव में था। मदन ने पास की एक दुकान से सोमवार को चाकू खरीदा था। मंगलवार शाम को मदन का दोस्त उससे मिलने आया। दरवाजा खटखटाने के बाद किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद उसने पहले पड़ोसियों को और फिर पुलिस को इसकी जानकारी दी।

मदन को हुआ था 25 से 30 लाख का नुकसान

जांच में सामने आया है कि कुछ दिनों पहले मदन को सट्टे में 25 से 30 लाख रुपये का नुकसान हुआ था। इसी के बाद से वह मानसिक दबाव में था। वह चिंतित था कि अगर उसने पैसे नहीं चुकाए तो उसका और उसके परिवार का क्या होगा। कुछ दिन पहले यह भी जानकारी सामने आई थी कि मदन ने अपने भाई से भी कुछ पैसे लिए हैं।

महाराष्ट्र में 24 घंटे में 499 पुलिस कर्मी कोविड संक्रमित, उपचाराधीन कर्मियों की संख्या 4,000 के पार

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस से 499 पुलिस कर्मी संक्रमित हो गये हैं जिनमें 95 अधिकारी शामिल हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस समय महाराष्ट्र में 821 पुलिस अधिकारी और 3,269 पुलिस कर्मी (कुल 4,090 कर्मी) विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं या घरों में पृथकवास में हैं। अधिकारी के अनुसार, मार्च 2020 में कोरोना वायरस महामारी शुरू होने के बाद से राज्य में संक्रमित पुलिस अधिकारियों की कुल संख्या 5,854 रही है। राज्य में कांस्टेबल से

लेकर सहायक उप-निरीक्षक दर्जे तक के कुल 40,959 पुलिस कर्मी अब तक संक्रमित मिले हैं। उन्होंने कहा, अब तक महाराष्ट्र पुलिस बल के 46 अधिकारी और 459 कर्मियों की कोविड-19 से मृत्यु हो चुकी है। अधिकारी के अनुसार अकेले मुंबई में कुल 10,666 पुलिस कर्मी कोरोना वायरस संक्रमित हो चुके हैं जिनमें से 126 की मृत्यु हो गयी। इस समय मुंबई पुलिस के 1,273 कर्मी उपचाराधीन हैं। राज्य में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 39,207 नये मामले सामने आये थे, जो सोमवार को आये संक्रमण के मामलों की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक हैं। मंगलवार को संक्रमण से राज्य में 53 लोगों की जान चली गयी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

घाटकोपर में 17 जुआरी गिरफ्तार

पुलिस को गुप्त सुचना मिली थी इलाके में बड़े पैमाने पर जुए का अड्डा चल रहा है और कार्रवाई करते हुए खेलने वालों को पकड़ लिया लेकिन इस जुए के अड्डे का मालिक बालासाहेब गुढेकर भागने में सफल हो गया जिसकी तलाश चल रही है। गौरतलब हो की जुए के अड्डे पर जब छापा मारा तो भारी भगदड़ मच गई अचानक पुलिस को सामने देखकर सभी भागने लगे लेकिन जुआ खेलने वालों को और पुलिस ने हिरासत में ले लिया। अपराध शाखा यूनिट-7 की प्रभारी पुलिस निरीक्षक प्रिया थोरात ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर एक विशेष टीम तैयार की गई इस टीम ने बहुत ही चालाकी से उस जगह पर रेड किया जहां जुए का कारोबार चल रहा था। अपराध शाखा ने सभी जुआरियों और मैनेजर को पंतनगर पुलिस के हवाले कर दिया जुए के अड्डे के मालिक की तलाश चल रही है।

जुआ अड्डे पर अपराध शाखा की टीम ने मारा छापा

स्थानीय अपराध शाखा की एक टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर के जूनागांव दूरदर्शन केंद्र के पीछे झुग्गी में रहने वाले काशीराम जाधव के रहते हुए घर में जुआ खेला जा रहा है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस मारे गए छापे में मुकेश रामकृष्ण रेड्डी, शेख सुलतान शेख रहीम अक्षय अमित सपकाळ, संकेत संजय टेंभीकर, राजेश काशीराम जाधव, राजेश जयराम यादव, राज प्रल्हादपवार मुजम्मील हुसेन अझहर हुसेन, शेख फारुख शेख अकील, मनोज भिकुलाल भडेच, दीपक प्रकाश सपकाळ, विलास अनिल निकम इन 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 1 लाख 9,070 रुपये जब्त किए गए। यह कार्रवाई स्थानिक गुन्हे शाखा के पुलिस निरीक्षक बळीराम गीते इनके मार्गदर्शन में सहायक पोलीस निरीक्षक मनीष गावंडे, दीपक लेकुरवाळे, गजानन गोरले, अनंत फरताळे, अमोल शेजोळे, जयंत बोच ने की है।

महाराष्ट्र में सोमवार से खुल सकते हैं स्कूल

इस पर एक या दो दिनों में फैसला हो सकता है। ऐसे में राज्य में सोमवार से स्कूल शुरू होने की संभावना है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए राज्य सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों को 15 फरवरी तक बंद रखने का फैसला किया है। लेकिन इस फैसले को लेकर कई स्कूल प्रशासन और अभिभावकों ने नाराजगी जताई है और स्कूल को खोलने के लिए सोशल मीडिया पर लगातार कैंपेन चलाया जा रहा है। स्कूल प्रशासन की ओर से मांग है कि स्कूल बंद रखने की बजाए कोरोना के नियमों का पालन करते हुए स्कूल शुरू करने की इजाजत दी जाए। इस दरम्यान वर्षा गायकवाड ने बुधवार को यह जानकारी दी कि राज्य के शिक्षा विभाग की ओर से स्कूल खोले जाने से संबंधित प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजा गया है। वर्षा गायकवाड ने मीडिया से बात करते हुए यह भी कहा कि सीएम को भेजे प्रस्ताव में यह साफ किया गया है कि स्कूल शुरू करने के लिए कोरोना वैक्सीनेशन किए जाने और शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों का कंप्लीट वैक्सीनेशन जरूरी शर्त के तौर पर शामिल होगी। कोरोना की तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए राज्य के स्कूलों में फिर से ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई शुरू करनी पड़ी। सबसे पहले मुंबई के स्कूल बंद किए गए। इसके बाद सतर्कता बरतते हुए अन्य महापालिकाओं और जिलों में स्कूल बंद करने का फैसला लिया गया। ऐसे में एक बार फिर कोरोना संक्रमण में कमी को देखते हुए शिक्षण विभाग ने मुख्यमंत्री को स्कूल शुरू करने का प्रस्ताव भेजा है। उनसे यह अपील की गई है कि वे स्थानीय प्रशासन को यह अधिकार दें कि कोरोना से जुड़े हालात को ध्यान में रखते हुए वे स्कूल खोलने की इजाजत दे सकें। इस बीच महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश पटोले बुधवार को पुणे में 'वैक्सीन ऑन व्हील्स' कार्यक्रम का उद्घाटन करने पहुंचे। यहां पत्रकारों द्वारा उनसे स्कूल खोले जाने को लेकर भी सवाल पूछे गए। इस सवाल के जवाब पर उन्होंने कहा कि गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में इस बारे में चर्ची की जाएगी। चर्चा के बाद मुख्यमंत्री अंतिम तौर पर निर्णय लेंगें।

मुंबई में दलित मेडिकल स्टूडेंट संग रैगिंग

इसी कड़ी में मंगलवार को जाति अंत संघर्ष समिति और दलित पैंथर सुवर्ण महोत्सव समिति ने केईएम अस्पताल के सामने मौन आंदोलन किया। महाराष्ट्र के हिंगोली के रहने वाले छात्र सुगत भारत पडघान का आरोप है कि पिछले तीन सालों से उसके रूममेट और अन्य छात्र उसे लगातार परेशान कर रहे हैं। कई मौकों पर उनकी बातें ना सुनने पर उसे मारने की कोशिश भी की गई। आरोप है कि हॉस्टल के दो वार्डन और डीन से इसकी शिकायत के बाद भी आरोपी छात्रों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अपनी कंप्लेंट में सुगत ने कहा कि कई बार मांग करने के बाद भी उन्हें बेड उपलब्ध नहीं कराया गया। जिस वजह से उसे नीचे जमीन पर सोना पड़ा। लेकिन कई बार आपत्ति जताने पर भी अन्य रूममेट अपने जूते और चप्पल उसके बिस्तर के पास रखते थे।

मोतला नगर पंचायत में कांग्रेस का कब्जा

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। मोताला नगर पंचायत की 17 सीटों के लिए 64 प्रत्याशी मैदान में थे। मोताला नगर पंचायत में कांग्रेस के 12 उम्मीदवारों की जीत के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में कांग्रेस ने फिर एक बार मोताला नगर पंचायत पर कब्जा जमलिया हैं। जबकि भाजपा ने खाता तक नहीं खोल पाई, सेना को 4 सीटों पर और एनसीपी को एक सीट पर समझौता करना पड़ा। प्रभाग क्रमांक १ से शिवसेना के प्रत्याशी गणेश पाटिल 307 वोटों से जीते, वार्ड नंबर 2 कांग्रेस के प्रत्याशी कैलास खर्चे 187 वोटों से जीते, प्रभाग क्रमांक 3 से कांग्रेस उम्मीदवार शेख खातून बी, वार्ड नंबर 4 में शिवसेना प्रत्याशी शेख साजिद शेख सुपाडु (बाबा कुरैशी) ने 214

मतों से जीत दर्ज की, वार्ड नंबर 5 में कांग्रेस प्रत्याशी नीना इंगले ने 217 मतों से जीत दर्ज की। वार्ड नंबर 6 एनसीपी उम्मीदवार सिंधु वानखेड़े 196 वोटों से जीते वार्ड नंबर 7 कांग्रेस उम्मीदवार शेख परवीन बी शेख आसिफ, वार्ड नंबर 8 कांग्रेस उम्मीदवार माधुरी देशमुख 189 वोटों से जीते वार्ड नंबर 9 कांग्रेस उम्मीदवार पुष्पाबाई जैन 233 वोटों से जीतीं, वार्ड नंबर 10 से कांग्रेस के उम्मीदवार तसलिम शेख सलीम बाबा कुरेशी, 307 वोटों से जीत दर्ज करवाई। वार्ड नंबर 11 कांग्रेस प्रत्याशी हसमतबी जलील खा 130 वोटों से जीते वार्ड नंबर 12 कांग्रेस प्रत्याशी शहमाज बी सलीम 199 वोटों से जीते, वार्ड नंबर 13 कांग्रेस उम्मीदवार रवि पाटिल 160 वोटों से, वार्ड नंबर 14 से कांग्रेस के प्रमोद देशमुख 380 मतों से जीते, कांग्रेस की सरिता विजय सुरदकर 158 मतों से जीतीं, शिवसेना की अनीता कैलास जंवर 168 मतों से, शिवसेना के सचिन हिरोले 143 मतों से जीत दर्ज की।

बुधपुरा में बेइंतहा गंदगी, लोगों में भयंकर आक्रोश, विधायक मंत्री कोई सुनता ही नहीं

राजीव गाँधी ब्रिगेड के प्रदेश उपाध्यक्ष साहिल कुरेशी ने लगाए गंभीर आरोप

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। बून्दी की ग्राम पंचायत बुधपुरा में करीब दो साल होने को आये हैं परंतु आज तक गाँव में गंदगी नही हटी हैं। चुनाव के वक़्त वादे तो बहुत किए गए मगर अभी तक वादे पूरे नही हुए हैं और न ही विकास हुआ है पंच और सरपंच कोई ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। कहने पर जवाब मिलता हैं मैं क्या करुं? ओर करीब पांच साल से नालियों की सफाई तक भी नही हुई है! जगह जगह कचरो का ढेर लगा हुआ है गैंडे जानवर परेशान करते हैं जिससे मच्छर पनप रहे हैं। डेंगू का भी खतरा मंडरा रहा हैं? पंचायत में मीटिंग में प्रस्ताव रखा गया था कि गांव में कचरा पंचायत फिंकवाएगी, हर 15 दिन में वो भी नही हुआ करीब उस प्रस्ताव को भी 1 साल हो चुका घरों में पानी तक नही आता हैं! पानी की समस्या हैं। लाइट टाईम पर नही आती है हर समय कटौती होती हैं! इस संबंध में पुर्व मंत्री हरी मोहन शर्मा किसी की सुनते नहीं है! राजीव गाँधी ब्रिगेड के प्रदेश उपाध्यक्ष साहिल कुरेशी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जनता विधायक, पुर्व मंत्री के खिलाफ आन्दोलन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर गौरव सिंह राणा भाजपा में शामिल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। अखिल भारतीय क्षत्रिय सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव सिंह राणा अपने कई समर्थकों सहित भाजपा में शामिल हो गए। गौरव सिंह राणा के भाजपा में शामिल होने से भाजपा को कई सीटों पर प्रभाव पड़ेगा। गौरतलब है कि राणा का राजपूत समाज के वोटों के अलावा अन्य समाज के वोटों पर अच्छी और मजबूत पकड़ हैं। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय उत्तराखंड में श्री नरेंद्र बंसल राज्य सभा सांसद (जॉइनिंग कमेटी के चेयरमैन) भाजपा उत्तराखंड, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री देवेन्द्र भसीन, सांसद श्री अजय टम्टा व संगठन महामंत्री उत्तराखंड श्री कुलदीप सिंह के नेतृत्व में अखिल भारतीय क्षत्रिय सेना

राष्ट्रीय संगठन के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ठाकुर गौरव सिंह राणा टीटू जी व राष्ट्रीय प्रभारी युवा व प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड श्री योगेंद्र सिंह के दिशा निर्देश पर उत्तराखंड प्रदेश पदाधिकारियों समेत लगभग 200 पदाधिकारियों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और अपना पूर्ण समर्थन दिया! कार्यक्रम के समापन पर राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ से बात करते हुए ठाकुर गौरव सिंह राणा ने कहा कि वह बिना लाग लपेट और स्वार्थ के सदैव पार्टी हित में काम करेंगे और पार्टी हित उनके लिए सदा सर्वोधिक सर्वोपरि हैं।

देश में समय के साथ बदल गई हैं आज के यूवाओं की सोच: साधना सेठी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। युवाओं की सोच में आया बदलाव जॉब और व्यापार के साथ सामाजिक कार्यकर्ता के रूप पहचान में बना रहे हैं! राजनीति हर दिन नई करवट बदल रही हैं। युवाओं का देश है भारत और युवा भी राजनीति में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि राजनीति और नेताओं से क्या चाहती है देश की नई पीढ़ी? किस तरह की उम्मीद है उसे इनसे। भारत युवाओं का देश है। अमूमन राजनीति में युवाओं की दिलचस्पी कम देखी जाती है। इस बार के चुनाव में युवाओं की संख्यां पार्टी आइडियोलॉजी और कास्ट से ऊपर उठ कर मतदान के लिए तैयार है। राजनीति एक ऐसा शब्द है जिससे हर कोई प्रभावित होता है। शुरूआती दौर में देखें तो हम पाएंगे कि राजनीति में युवाओं की सक्रिय भूमिका रही है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चंद्रशेखर को 'युवा तुर्क' भी बोला जाता था। स्वर्गीय करुणानिधि ने 14 साल की उम्र में राजनीति में कदम रखा। हालांकि उनकी राजनीति हिंदी विरोधी थी इसलिए उत्तर भारत में वो नहीं छा पाये। उत्तर भारत के सबसे चर्चित

नेता माननीय लालू प्रसाद यादव ने भी 22 वर्ष की उम्र में राजनीति में कदम रखा। जयप्रकाश नारायण (जेपी) वाली छात्र आंदोलन में लालू यादव ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। लालू यादव ने अपने समय के सबसे युवा सांसद में से एक थे। नीतीश कुमार शरद यादव कई अन्य भी युवा अवस्था में ही राजनीति में आ गए थे। कहां जा सकता है कि उस वक्त युवा राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते थे। दौर बदला, मानसिकता बदली। युवाओं का मोहभंग होना शुरू हो गया। 'राजनीति' एक ऐसी शब्द बन गई जिससे युवा नफरत करने लगा। युवाओं में यह गर्व का विषय बनने लगा कि वह राजनीति से दूर रहते हैं। मुझे राजनीति से कोई लेना देना नहीं है। कोई बने हमें क्या फर्क पड़ता है। इस तरह के वाक्य प्राया सुनने को मिलने लगा। जो थोड़े नेता आए भी वह विशिष्ट परिवार और जात से नाता रखते थे। सामान्य युवा इससे दूर होता गया। समय ने एक बार फिर करवट बदली, नए तरह की राजनीति की शुरूआत करने की पटकथा लिखी जाने लगी। सत्ता के भ्रष्टाचार, गलत नीति, बेरोजगारी और धर्म को मिलाकर एक ऐसी हवा बनाई गई जिसमें युवाओं को यह महसूस होने लगा कि अगर हम अभी नहीं जगे तो देश बर्बाद हो जाएगा। हवा का असर बच्चों से लेकर बड़ों तक हुआ! अब वह दौर आ गया जहां नेता बनना एक कैरियर हो गया। हर युवा स्वयं को नेता के रूप में देखने लगा। हलाकि युवाओं में जो बीमारी थी वह छूटी नहीं। युवाओं की सबसे बड़ी बीमारी यह थी और है कि वह इंतजार करना नहीं चाहते युवा चाहते हैं कि वह रातों रात स्टार बन जाए, रातों-रात विधायक बन जाए या देश के बहुत बड़े हिस्से पर उनका नाम आ जाए।

ओमिक्रोन से मुकाबले के लिए इम्युनिटी मजबूत बनाएं: प्रो.करुणा चांदना

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'ओमिक्रोन महामारी में पोषण' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 339 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो. करुणा चांदना ने कहा कि कोविड की तीसरी लहर से मुकाबले के लिए हमें अपनी इम्युनिटी मजबूत करना बहुत आवश्यक है। कोविड्ड महामारी की दूसरी लहर के जानलेवा प्रभावों ने हमें इतना संवेदनशील बना दिया है और अब तीसरी लहर ओमिक्रोन वेरिएंट के नाम से आ चुकी है जिससे कि सारे विश्व स्तर पर एक बार फिर खलबली मच गई है। ऐसे में अधिक समय बर्बाद ना करते हुए आइए शरीर को मजबूत बनाएं तथा प्रभावशाली ढंग से वायरस से लड़ने के लिए कमर कस लें तभी हम महामारी से निजात पा सकते हैं! तरल पदार्थों का सेवन, प्राकृतिक एंटीवायरल फूड्स, एंटीऑक्सीडेंट्स का कोविड-19 में बहुत महत्व है। इतना ही नहीं इसके साथ जीवन शैली में बदलाव साउंड स्लीप, रेस्पिरेट्री एक्सरसाइजेज भी दिनचर्या में शामिल की जानी चाहिए अगर आप यह सब कुछ करते हैं तो करोना आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि शरद ऋतु में पाचन शक्ति अच्छी होती है यदि पोषक आहार लेंगे तो इम्युनिटी मजबूत कर रोगों से बचाव कर सकते हैं। मुख्य अतिथि रविन्द्र आर्य व राजेश मेहंदीरत्ता ने भी स्वास्थ्य रक्षा पर बल दिया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने बताया कि नियमित योगाभ्यास रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है साथ ही पानी पीने की मात्रा को एक सामान्य व्यक्ति को प्रतिदिन व्यक्ति के वजन को 20 से भाग देने पर जो उत्तर आए उतना पानी सुबह से शाम तक पीना चाहिए,पानी शरीर में ट्रांसपोर्ट का कार्य करता है,आज पानी कम पीने की वजह से एसिडिटी आदि अनेकों व्याधियों से घिरे रहते हैं, अतः एल्कालाइन व अधिकतम 250 टीडीएस का पानी उपरोक्त मात्रा में पीकर हम स्वस्थ रह सकते हैं! गायक रविन्द्र गुप्ता, कमलेश चांदना, रचना वर्मा, रजनी चुघ, सुशांता अरोड़ा, रजनी गर्ग, कैप्टन अशोक गुलाटी, किरण सहगल, सुषमा गुगलानी, रीता जयहिंद, प्रवीना ठक्कर आदि के मधुर गीत हुए। आर्य नेता, शिक्षाविद मनोहर लाल चावला के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

बिजली की समस्या को लेकर मचा हाहाकार

मुंबई हलचल /नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। बिजली की समस्या को लेकर उघोग पति आदि में मचा हुआ हैं हा हा कार, कारोबार चौपट होने की कगार पर, बीच बीच में ट्रिपिंग के चलते बिजली का लगा रहता हैं आना जाना, बिजली की समस्या का समाधान किये जाने को लेकर गया हैं उच्च अधिकारियों को उपभोक्ताओं को हो रही हैं अनेकों प्रकार की समस्याऐं अपना दल एस के जिला महासचिव मु० वकील एड० ने विधुत विभाग के चीफ इन्जीनियर को अवगत कराते हुए कहाँ हैं कि टाण्डा नगर व आस पास के क्षेत्र में बिजली कटौती को लेकर बहुत बड़ी समस्या बनी हुई हैं 24 घटों के अन्दर बिजली का आना जाना लगा रहता हैं किसी भी प्रकार से बिजली समस्या को लेकर छुटकारा भी नहीं मिल पा रहा हैं उघोग धन्धे व कारोबार चौपट होने की कगार पर हैं प्रत्येक माह बिजली के बिलों को भी जमा किया जाता हैं उसके उपरान्त भी उपभोक्ताओं आदि को कोई समस्या का समाधान नहीं मिल पा रहा हैं ऐसी दशा को देखते हुए भी बिजली की चेकिंग की जाती हैं तथा बिन वजह उपभोक्ता को अपनी पकड़ में लेकर तथा उसको बुरी तरह डरा एवं धमका कर मुकदमा पंजीकृत कराये जाने के नाम पर धन वसूली भी की जाती हैं जबकि टाण्डा नगर को लगातार बिजली सुचारू रूप से जारी रखे जाने का प्रावधान लागू हैं उसपर कोई ध्यान न देकर खुलैतौर पर उपभोक्ताओं के साथ भृष्टाचार एवं अत्याचार का मामला अपनाया जा रहा हैं सुबह 5 बजे 9 बजे 12 बजे से 2 बजे शाम 4 बजे से 6 बजे तक जबकि नगर वासियों को 14 घण्टे बिजली मिल पा रही हैं बिजली व्यवस्था में सुधार लाये जाने की मांग की गई हैं।

1. बिजली समस्या गड़ बड़ाये जाने को लेकर राइस मिलर्स अध्यक्ष हाजी अब्दुल माजिद ने अपना दुख प्रकट करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार से बिजली का लाभ नही मिल पा रहा है

2. अब्दुल्ला राइस मिल के पार्टनर मोहम्मद रईस उर्फ हाजी गुरु ने बिजली पर रोष प्रकट करते हुए कहा कि बिजली की समस्या के चलते करोबार चोपट होने की कगार पर है फिर भी धनराशि जमा की जाती है

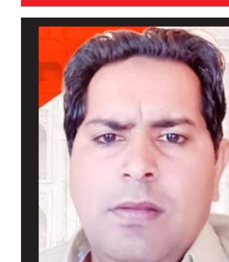

3. हिमालया राइस मिल के मालिक मोहम्मद शफीक ने कहा कि नगर के अन्दर बिजली के नाम पर विभाग खुलेआम लूट खसोट की जाती है साथ ही उपभोक्ताओं को काफी परेशान किया जाता हैं

4. मु० वकील एड० ने कहाँ कि नगर को समय के अनुसार पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं टाण्डा एस.डी. ओ द्वारा अपना अड़ियल रवैय्या अपना कर परेशान किया जा रहा ऐसे भृष्टाचार अधिकारी का ट्रास्फर अंयत्र किया जाये

महाराष्ट्र विधानसभा से 12 विधायकों के निलंबन का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी विधायकों की याचिका पर आदेश को रखा सुरक्षित

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा से 1 साल के लिए निलंबित 12 बीजेपी विधायकों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रखा। सभी पक्षों से 1 हफ्ते में अपनी दलीलों पर लिखित नोट जमा करवाने को कहा। पिछले साल 5 जुलाई को विधानसभा ने ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित कर इन विधायकों को 1 साल के लिए निलंबित किया था। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा से एक साल के लिए निलंबन का किसी उद्देश्य से जुड़ा होना चाहिए। इसके लिए कोई 'प्रबल' कारण होना चाहिए जिससे सदस्य को अगले सत्र में भी शामिल होने की अनुमति न दी जाए। शीर्ष अदालत पीठासीन अधिकारी के साथ कथित दुर्व्यवहार करने पर महाराष्ट्र विधानसभा से एक साल के लिए निलंबित किए गए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 12 विधायकों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इसने कहा कि असली मुद्दा यह है कि निर्णय कितना तर्कसंगत है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले कहा था कि एक साल के लिए विधानसभा से निलंबन निष्कासन से भी बदतर है क्योंकि इसके परिणाम बहुत भयानक हैं और इससे सदन में प्रतिनिधित्व का किसी निर्वाचन क्षेत्र का अधिकार प्रभावित होता है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस एएम खानविलकर, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सी टी रविकुमार की पीठ ने महाराष्ट्र की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता ए सुंदरम

से कहा, निर्णय का कोई उद्देश्य होना चाहिए। एक प्रबल कारण होना चाहिए जिससे कि उसे (सदस्य) अगले सत्र में भी भाग लेने की अनुमति न दी जाए। मूल मुद्दा तर्कसंगत निर्णय के सिद्धांत का है। सुंदरम ने राज्य विधानसभा के भीतर कामकाज पर न्यायिक समीक्षा के सीमित दायरे के मुद्दे पर दलील दी। उन्होंने कहा कि सदन में जो हो रहा है उसकी न्यायिक समीक्षा घोर अवैधता के मामले में ही होगी, अन्यथा इससे सत्ता के पृथककरण के मूल तत्व पर हमला होगा। सुंदरम ने कहा, ह्यअगर मेरे पास दंड देने की शक्ति है, तो संविधान, कोई भी संसदीय कानून परिभाषित नहीं करता है कि सजा क्या हो सकती है। यह विधायिका की शक्ति है कि वह निष्कासन सहित इस तरह दंडित करे जो उसे उचित लगता हो। निलंबन या निष्कासन से निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधित्व से वंचित होना कोई आधार नहीं है। पीठ ने कहा कि संवैधानिक तथा कानूनी मानकों के भीतर सीमाएं हैं। इसने कहा, जब आप कहते हैं कि कार्रवाई तर्कसंगत होनी चाहिए, तो निलंबन का कुछ उद्देश्य होना चाहिए और और उद्देश्य सत्र के संबंध में होना चाहिए। इसे उस सत्र से आगे नहीं जाना चाहिए। इसके अलावा कुछ भी तर्कहीन होगा। असली मुद्दा निर्णय के तर्कसंगत होने के बारे में है और यह किसी उद्देश्य के लिए होना चाहिए। पीठ ने कहा, कोई प्रबल कारण होना चाहिए। एक वर्ष का आपका निर्णय तर्कहीन है क्योंकि निर्वाचन क्षेत्र छह महीने से अधिक समय तक प्रतिनिधित्व से वंचित हो रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इंटरप्राइजिंग इंजीनियरिंग में कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। भोपाल की राजधानी गोविंदपुरा क्षेत्र में भारत की जानी-मानी संस्था कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा इंटरप्राइजिंग इंजीनियरिंग में कोविड-19 की रोकथाम के लिए कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रुप से उपस्थित इंटरप्राइजिंग इंजीनियरिंग के डायरेक्टर माननीय के.जी. बंसल, माननीय नितिन बंसल, एवं मैनेजर अमित कुमार उधवानी थे। शासकीय मलेरिया डिपार्टमेंट के डीएमओ डॉक्टर अखिलेश दुबे सर डॉक्टर एम एम महुलिया, कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज उपस्थित रहे, आई चेकअप प्रकाश आई हॉस्पिटल के डॉक्टरों द्वारा नेत्र से संबंधित चेकअप किया गया जिसमे डॉक्टर एम एस राजपूत मोनिका सिंह संजीव राई उमर खान महेश जाटव सिकंदर बैग के द्वारा आई चेकअप किया गया। डेनेशिया हॉस्पिटल के डॉक्टरों द्वारा दंत से संबंधित चेकअप किया गया। डॉ प्रशांत त्रिपाठी सर डॉक्टर महेश्वरी साहू पालकी मधुकर के द्वारा दंत से संबंधित चेकअप किया गया जनरल चेकअप बीपी शुगर की जांच डॉक्टर आफरीन अली सैयद साजिद अली के द्वारा जनरल चेकअप किया गया। मलेरिया की जांच भैया मियां मग्रेन सिंह के द्वारा की गई। आयुष्मान भारत के तहत सभी लोगों का आयुष्मान कार्ड एवं श्रम कार्ड बनवाया गया ताकि कोविड महामारी में इसका लाभ मिल सके अनिता कुमारी लोकेश कुमार के द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाया गया सभी डॉक्टरों को इंटरप्राइजिंग इंजीनियरिंग के द्वारा माननीय के.जी. बंसल, माननीय नितिन बंसल मैनेजर अमित कुमार के द्वारा सभी डॉक्टरों को सर्टिफिकेट एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया। कायनात हुमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज को मेडल सर्टिफिकेट एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया संस्था निरंतर स्वास्थ्य पर कार्य करती आ रही है स्वस्थ भारत के निर्माण में सहयोग करें अपना चेकअप जरूर कराएं कोरोना महामारी को देखते हुए समय-समय पर अपना चेकअप जरूर कराएं एक छोटा सा प्रयास स्वस्थ जीवन का आधार बहुत-बहुत धन्यवाद।

शेख सैयद मुगल पठान समाज के जनगणना फार्म वार्ड वाईज वार्ड भरने की प्रक्रिया जोरो पर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। मारवाड़ शेख सैयद मुगल पठान विकास समिति जिला जोधपुर के जिला प्रवक्ता नदीम बक्ष ने बताया की समिति के माध्यम जिला अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष की देखरेख मे आज वार्ड संख्या 44, 45,46,56,व 7, में सर्व फार्म भरने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है साथ ही समाज के लोगो मे भी जनगणना फार्म भरवाने के लिए उत्साह भी दिखाई दे रहा है गनगणना फार्म भरने के लिए टीमे अलग अलग वार्डो मे जाकर फार्म के भरने की प्रक्रिया निभा रहे है समिति जल्द ही एक डायरेक्ट्री का आयोजन करने जा रही है जिसमे जोधपुर मे किस क्षेत्र मे समाज के लोग रहवास कर रहे हे व साथ ही समिति जाति विशेष प्रमाणित पत्र भी देकर समाज को मजबूत बना रही है ताकि जनरल जाति को जो भी सरकारी योजनाओं का लाभ से वंचित है वो लाभ बराबर मिल सके व आज सर्व फार्म भरने मे यह रहे मौजूद-उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, रमजान अली पप्पू, फिरोज खान, मोहम्मद रईस, उस्ताद मो शफी, अजीज पठान, माजिद खान, अ.सलीम कादरी, सलीम खान नागौरी, रईस अली, रशीद मामा, व समिति के कई सदस्य उपस्थित रहे।

कम्बल वितरण मे विचोलिये कर रहे है धाधली पात्रों तक नही पहुंच रहा हकः महबूब अली एडवोकेट

सीनियर वार एसोसिएशन तहसील स्वार के अध्यक्ष महबूव अली ने जिलाधिकारी महोदय रामपुर के नाम एक शिकायती पत्र भेज है पत्र के माध्यम से महबूव अली एडवोकेट ने कहा है की तहसील स्वार मे कम्वल वितरण मे धाधली हो रही है सीनियर वार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा मै रोज देखता हू पात्र गरीब लोग कम्बल के लिए भटकते रहते है जबकि विचोलिये कम्वल की वन्दरवाट कर देते है महबूव अली एडवोकेट ने कहा की नगर पचायत नरपत नगर दून्दावाला व शेखुपुरा में भी विचोलियों ने कमलो की वन्दरवाट कर दी महबूव अली एडवोकेट ने कहा नरपत नगर मे भी लेखपाल की मिली भगत से तहसील मे काम करने वाले पराईवेट लोगो ने रात के अंधेरे मे अपने अपने अपात्र लोगो को कम्वल वाट दिये जवकि पात्र जाडे मे ठिठुरते हुए रह गये आज दिनाक 19/1/22 दिन वुध्दवार को भी गोविंदपुरा निवासी तस्लीम जहां कम्वल के लिए सुबह से शाम तक तहसील स्वार मे लेखपालों के पास चक्कर काटती रही लेकिन कम्वल नही मिला शाम को निराश हो घर गई है वह गिडगिडाती रही लेकिन लेखपालों ने कम्वल नही दिया, जवकि वह पात्र है ओर कल ही कम्वल आये है।

आला हजरत के शागिर्द और खलीफा थे बड़े मौलाना मुफ्ती रहीम बख्श कादरी: मुफ्ती अशरफ

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। काजिये महाराष्ट्र हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती मोहम्मद अशरफ रजा कादरी मुंबई ने अपने एक बयान में कहा सैखे तरीकत हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती रहीम बख्श कादरीरजवी रहमतुल्ला अलेह उर्फ बड़े मौलाना इल्म और अमल की दौलत से मालामाल थे मार्फत तरीकत में बा कमाल आसमांने विलायत के गौहर ताबदार और तक्वा में भी बेमिसाल थे आप 12 साल तक सय्यदी सरकार आला हजरत इमाम अहमद रजा खान फाजिले बरेलवी रहमतुल्ला अलेह के खिदमत में मुसलसल इल्मो फैज की नेमतों बरकत से मुस्तफिज होते रहे आप आला हजरत के शागिर्द और खलीफा भी थे आपकी तालीम बरेली शरीफ में हुई आपको आला हजरत ने इल्म का जाम पिलाया और उनके हुक्म और इशारे पर मगरिबी हिंदुस्तान इंतेहाए बंगाल तक तबलीगे इस्लाम सुननीयत के फरोग के लिए दिन-रात मसरूफ रहे आप का मजारे मुकद्दस शूमाली बिहार के सीतामढ़ी जिला में बाथ हसली गांव में है जहां हर साल उनके खानवादे के लोग 19 जमादुल आखिर को आप का उर्स पाक मनाते हैं पूरा गांव चाहे वह अमीर हो गरीब वह मजदूर हो सब लोग बड़े मौलाना के उर्स में शामिल रहते हैं यहां तक के गैर मजहब के लोग भी अकीदत के साथ उनके मजार पर हाजिरी देते हैं पूरा इलाका उन्हें बड़े मौलाना के नाम से जानता है और उनसे अकीदत रखता है आज भी उनके खान वादे में कई अलीम है हाफिज हैं कारी हैं जो हजरत के उर्स को मनाते हैं और सजाते हैं बिहार के लिए यह फक्र की बात है के बड़े मौलाना ने आला हजरत का जमाना देखा उनसे तालीम हासिल की और उनके खलीफा भी रहे।

जालंधर में 2 रुपए की पतंग लूटने के चक्कर में मासूम बच्चे की गई जान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जालंधर। पतंगो के शौक के कारण जहां कई बार मासूम बच्चों को हादसों का शिकार हो रहे है वही पतंग लूटने के चक्कर में जालंधर में 13 साल के बच्चे ने अपनी ज़िंदगी ही दांव पर लगा ली। जालंधर में पिछले दस दिनों से घर से लापता हुए बच्चे की लाश आज खेतों में बने खड्डे से मिली। बताया जा रहा है कि युवक अपने दोस्तों के साथ खेतों में पतंग लूट रहा था कि अचानक खेतों में बने गहरे खड्डे में गिर गया। जिसकी मौत हो गई। खड्डे में बरसात का पानी भरा पड़ा था। जो बच्चा उसमें डूब गया।

बुलढाणा में कोरोना विस्फोट, 265 पॉजिटिव, बुलढाणा शहर सहित चिखली और खामगांव के लिए खतरे की घंटी

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर में बुलढाणा जिले में बढ़ते कोरोना मामलों की रफ्तार घुड़दौड़ रफ्तार से भी तेजी से बढ़ रही है। मंगलवार को पिछले कई दिनों का रिकार्ड ध्वस्त हो गया। 1841 संदिग्ध मरीजों की जांच में 265 पॉजिटिव मरीज मिलने से जिले में हड़कंप मच गया है। जिले में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के पॉजिटिव दर तेजी से बढ़ ना जारी है। चार दिनों से 200 से अधिक मरीज मिल रहे थे मगर मंगलवार को पॉजिटिव मरीजों की संख्या ने एकदम उछाल मार दिया। जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक पिछले चौबीस घंटे में 1841 मरीजों की जांच की गई, जिसमें से 265 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जबकि 1576 की रिपोर्ट निगेटिव आने से प्रशासन ने थोड़ी राहत की सांस ली है। बुलढाणा, चिखली खामगांव,शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना संक्रमण कहर ढा रहा है। यहां मंगलवार को प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक 150 के आस-पास मरीज मिले हैं। कोरोना संक्रमितों की संख्या कम होने के बजाय बढ़ती ही जा रही है बुलढाणा में सर्वाधिक 63 मरीज मिले हैं जबकि चिखली में 30 व खामगांव 20 संक्रमित पाए गए हैं।

Muscle Pain से छुटकारा दिलाएंगे ये घरेलू नुस्खे

स्ट्रेस और दिनभर काम करने की वजह से बॉडी में पेन होने लगता है। पेन से छुटकारा पाने के लिए कई बार आप दवाइयों का भी सेवन करते होंगे। दवाइयों की बजाय आप कुछ घरेलू चीजों के इस्तेमाल से भी इन बॉडी पेन से छुटकारा पा सकते हैं। जैसे कि...

अदरक

बॉडी पेन को दूर करने के लिए अदरक बहुत फायदेमंद होता है। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। शरीर के दर्द को कम करने के लिए 1 कप पानी में 2-3 टुकड़े पानी के उबालें। ठंडा होने के बाद पानी में शहद डालकर इसे सुबह-शाम पिएं। इससे आपको बदन दर्द में काफी राहत मिलेगी।

दालचीनी

दालचीनी के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यह जड़ी बूटी शरीर में दर्द से तुरंत राहत दिलाने में मदद करती है। इसे इस्तेमाल करने के लिए 1 गिलास गुनगुने पानी में 1 छोटा चम्मच दालचीनी मिलाकर पीएं। आप चाहें तो इसकी प्रॉपर चाय बनाकर भी पी सकते हैं।

हल्दी

हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। 1 छोटा चम्मच हल्दी दूध में मिलाकर रोज सोने से पहले पिएं। दिन भर की थकान और बदन दर्द में राहत पाने का यह सबसे पुराना और बढ़िया तरीका है।

सरसों का तेल

2 चम्मच सरसों के तेल में लहसुन की 5 कलियों को गर्म कर लें। तेल ठंडा होने के बाद दर्द वाली जगह पर इससे मसाज करें।

लौंग

चाय बनाते वक्त 2 से 3 लौंग साथ डाल दें। काली मिर्च और थोड़ा-सा अदरक पीसकर भी साथ डाल दें। शाम के वक्त इस चाय को पीने से दिनभर की थकान से आपको काफी राहत मिलेगी।

अजवाइन

गर्दन और पीठ के दर्द से राहत पाने के लिए भुनी हुई अजवाइन की एक पोटली तैयार कर लें। रात को सोने से पहले इस पोटली से दर्द वाली जगह की सिकाई करें। कुछ ही दिनों में आपको दर्द से छुटकारा मिल जाएगा।

कंटूरिंग मेकअप से आपकी लुक होगी चेंज, फैट फेस भी दिखेगा स्लिम

आजकल हर कोई स्लिम-फिट दिखना चाहता है। जिसके लिए खासतौर पर लड़कियां हर रोज नई तकनीक का इस्तेमाल करना पसंद करती हैं। अब कई लड़कियां वैसे तो पतली होती हैं मगर उनका फेस थोड़ा हेल्दी होता है। ऐसे में आप अपने फेस को स्लिम दिखाने के लिए Contouring Makeup का इस्तेमाल कर सकती हैं। कंटूरिंग मेकअप एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें आप अपने फेस को आसानी से स्लिम लुक दे सकती हैं।

इस तरह करें कंटूरिंग मेकअप...

कंटूरिंग मेकअप करने का सबसे सही तरीका है, कि आप सबसे पहले एक सही बेस के साथ इसकी शुरूआत करें। इसके लिए आपको अपनी स्किन टोन का फाउंडेशन लेना होगा ताकि आपका रंग और साफ लगने लगे।

➤**फाउंडेशन** - सबसे पहले अपनी स्किन के मुताबिक फाउंडेशन चुनें। आंख, गाल और होंठ को उभारने के लिए स्किन टोन फाउंडेशन से चेहरे को बेस दें। फाउंडेशन अप्लाई करने के बाद कंटूरिंग ब्रश की मदद से कंटूरिंग पाउडर या क्रीम को चेहरे पर लगाएं। इसके लिए आप अपनी स्किन टोन से दो या तीन शेड डार्क फाउंडेशन भी इसके लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

➤**ब्रॉन्जर** - अब ब्रॉन्जर की मदद से फाउंडेशन को अच्छे से अप्लाई कर लें। ब्रॉन्जर आपके चेहरे का पतला दिखाने में सबसे अधिक मदद करता है। अगर आप चेहरे को हाईलाइट करना चाहती हैं तो उसके लिए आपको ब्रॉन्ज मैट की आवश्यकता होगी। ब्रॉन्ज हमेशा अपनी स्किन टोन से 1 ये 2 शेड डार्क चुनें ताकि आपके फेस को नेचुरल लुक मिल सके।

➤**ब्रश** - चेहरे के बड़े भागों को छोटा दिखाने के लिए आप फैन ब्रश का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहें तो आई शैडो फलफ ब्रश का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

कॉन्टूरिंग का एक और महत्वपूर्ण भाग हाईलाइटिंग करना है। जिससे आपके चेहरे पर शानदार ग्लो आएगा। अपने फाउंडेशन के साथ थोड़ा सा हाईलाइटर भी लगाएं, क्योंकि इससे आपकी त्वचा पर चमक आएगी। हाइलाइटिंग करने से आपका चेहरा स्लिम तो दिखेगा ही साथ ही आपकी चिक बोन्स और जॉ लाइन काफी हद तक उभरकर सामने आएगी।

सिर्फ फेस मास्क नहीं, इन तरीकों से यूज करें चारकोल और पाएं ग्लोइंग स्किन

हमारा वातावरण बहुत प्रदूषित हो चूका है। हवा में गंदगी,धुल,मिट्टी और न जानें कितने बैक्टीरिया पहले से ही मौजूद है। इससे सीधा असर हमारी त्वचा पर पड़ता है। त्वचा को मुहांसे,एक्ने,पिंपल्स और कालापन जैसी परेशानियां सहनी पड़ती है। घरेलू नुस्खा भी कई बार काम नहीं आता। इसलिए चारकोल को अपनी स्किन केयर रूटीन में शामिल करना चाहिए। चलिए आपको चारकोल को सही रूप से इस्तेमाल करने के तरीके बताते है।

चारकोल सोप

चारकोल सोप को आप रोज इस्तेमाल कर सकती है। नहाते वक़्त इस सोप का यूज करें। यह आपके शरीर पर आयल नहीं जमने देगा। चारकोल से त्वचा ग्लोइंग और बेदाग हो जाती है।

चारकोल फेशियल स्पंज

फेशियल बहुत प्रकार के होते है पर चारकोल फेशियल स्पंज के साथ आप अपनी स्किन पर पहली परत को निकाल कर चेहरे पर निखार ला सकती है।

चारकोल बॉडी क्ले

चारकोल क्ले पूरी बॉडी पर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह गंदी परत को सोख लेता है और स्किन दमकना शुरू हो जाती है।

चारकोल पोर स्ट्रिप

ब्लैकहेड से हर कोई परेशान होता है। इसे आसानी से निकालने के लिए इस स्ट्रिप का इस्तेमाल कर सकते है।

चारकोल टिश्यू से चेहरा पोंछें

मेकअप रिमूव करने के लिए आप चारकोल टिश्यू की मदद लें। वेट टिश्यू की जगह आप इन चारकोल टिश्यू का इस्तेमाल करें।

चारकोल एक्टीवेटेड क्लींजर

लड़कें और लड़कियां दोनों इसका इस्तेमाल कर सकती है ।यह बेसिक क्लीन्जर की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है।

चारकोल शैम्पू

बालों में सबसे ज्यादा गंदगी होती है। स्कैल्प पर चारकोल शैम्पू का इस्तेमाल करने से मौजूद गंदगी अच्छी तरह से साफ हो जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संजय दत्त और रवीना टंडन की जोड़ी फिर मचाएगी धमाल

संजय दत्त और रवीना टंडन की जोड़ी कन्नड़ ऐक्शन-ड्रामा फिल्म 'केजीएफ: चैप्टर 2' में जल्द ही नजर आने वाली है और अब एक अगली कॉमिडी फिल्म को लेकर भी वे चर्चा में हैं। खबर के मुताबिक, 90 के दशक की ये सुपरहिट जोड़ी एक कॉमिडी फिल्म में आने की तैयारी में है, जिसे एक नए डायरेक्टर बनाने जा रहे हैं। कुछ समय पहले रवीना टंडन ने संजय दत्त के साथ अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं जिसके बाद ही उन्हें इस फिल्म में कास्ट किए जाने का फैसला लिया गया। रवीना ने संजय दत्त के साथ अपनी तस्वीरें शेयर कर अपना फेवरेट ऐक्टर बताया था। बताया जाता है कि इन तस्वीरों को देखने के बाद मेकर्स ने इन सितारों से सम्पर्क किया और ये ऐक्टर्स भी एक बार फिर से साथ काम करना चाहते हैं। हालांकि, अभी दोनों ने फिल्म को ऑफिशली साइन नहीं किया है। संजय दत्त और रवीना 'आतिश', 'जीना मरना तेरे संग', 'जमाने से क्या डरना', 'विजेता' जैसी कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं।

बोनी कपूर को याद आए बीते हुए पल

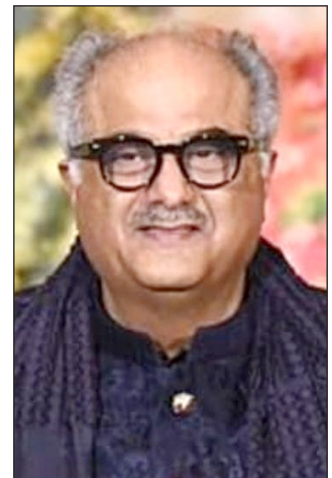

बॉलीवुड की मशहूर दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी भले ही इस दुनिया में नहीं रही हो, लेकिन आज भी उनके फैंस उन्हें बहुत याद करते हैं। वहीं एक्ट्रेस के पति और फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर भी उन्हें हमेशा याद करते हैं। यही नहीं बोनी कपूर को अक्सर श्रीदेवी की तस्वीरें पोस्ट करते हुए देखा जाता है। हाल ही में एक बार फिर बोनी कपूर ने अपनी दिवंगत पत्नी श्रीदेवी की एक पुरानी तस्वीर साझा की है, जिसमें एक्ट्रेस हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। श्रीदेवी की इस पुरानी तस्वीर को बोनी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा- लखनऊ में वर्ष 2012 में सहारा शहर में दुर्गा पूजा का एक उत्सव मनाया जा रहा है। इसका मतलब साफ है श्रीदेवी की ये तस्वीर साल 2012 में लखनऊ में ली गई थी। बोनी कपूर द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर की गई श्रीदेवी की ये तस्वीर सिंदूरखेला की है, जिसमें एक्ट्रेस ने सफेद रंग की साड़ी पहन राखी है और वह मुस्कराती दिख रही हैं। साथ ही श्रीदेवी के माथे, गाल और पीठ पर सिंदूर लगे हुए हैं। वहीं, श्रीदेवी के पीठ पर सिंदूर से अंग्रेजी में बोनी कपूर का नाम लिखा हुआ है।

प्रियंका चोपड़ा नहीं भूली अपनी भारतीय संस्कृति

बॉलीवुड की देसी गर्ल यानी एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा यू तो अब हॉलीवुड का जाना-माना चेहरा बन गयी है। लेकिन उनको देखकर यही लगता है कि विदेश में रहकर भी प्रियंका चोपड़ा अपनी भारतीय संस्कृति नहीं भूली है। प्रियंका चोपड़ा अक्सर मंगलसूत्र सूत्र पहने नजर आ जाती हैं। वही अब एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अमेरिकन सिंगर निक जोनस से शादी करने के बाद जब पहली बार मंगलसूत्र पहना तो उन्हें कैसा महसूस हुआ। प्रियंका चोपड़ा ने एक जूलरी ब्रांड के ब्रांड एंडोर्समेंट का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर करते हुए बताया, मुझे याद है कि मैंने जब अपना वाला (मंगलसूत्र) पहना तो मुझे कैसा लगा था। ऐसा इसलिए क्योंकि हम इसके मायने समझते हुए ही बड़े हुए हैं। मेरे लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण पल था। लेकिन उसी वक्त एक मॉर्डन वुमेन के तौर पर इसके प्रभावों को भी समझ रही थी। क्या मुझे मंगलसूत्र पहनना पसंद है या फिर ये भी एक पितृसत्तात्मक चीज है जो हमें मिली है? लेकिन साथ ही मैं वो पीढ़ी भी हूं जो कहीं न कहीं बीच में है। जिसे परंपराएं फॉलो करना पसंद है लेकिन ये भी जानती है कि हम क्या हैं? प्रियंका ने कहा, हम जानते हैं कि हम कहां खड़े हैं। हम देखेंगे कि हमारी अगली पीढ़ी की लड़कियां कुछ अलग ही करती दिखाई पड़ेंगी। प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि किस तरह वह अपनी पिछली परंपराओं को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।